>

Title: Need for Government's intervention on the indefinite hunger strike by the staff of Central and Western Railway Zones from 3 May, 2010.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): अध्यक्षा जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मुम्बई उपनगरीय रेल मुम्बई की जीवन रेखा है। रोजाना लगभग 65 लाख यात्री इसमें यात्रा करते हैं। मुम्बई उप नगरीय रेल के जो मोटर मैन हैं और दूसरे कर्मचारी हैं, वे अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि रेल मंत्रालय ने उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। वे अपनी इन मांगों को लेकर तीन मई से अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल पर भी जाने वाले हैं। यदि ये लोग अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर जाते हैं तो पूरे मुम्बई की कानून व्यवस्था बाधित हो सकती है। मुम्बई में यदि रेल यात्रा बंद हो जाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरी मुम्बई के रहन-सहन पर पड़ेगा और कानून व्यवस्था ही बिगड़ सकती है। मुम्बई में 65 लाख से ज्यादा यात्री रोजाना यात्रा करते हैं। आप समझ सकते हैं कि इनके हड़ताल पर चले जाने से मुम्बई पर क्या असर पड़ेगा। अध्यक्ष महोदया जी, इसलिए आपके माध्यम से मेरी रेल मंत्री जी से मांग है और मैं उनसे प्रार्थना करता हूं कि भूख-हड़ताल होने से पूर्व, इन सारे कर्मचारियों के जो संगठन हैं उनसे माननीय रेल मंत्री जी बात करें और इस प्रकार से भूख-हड़ताल के बाद, अगर रेल बंद हो जाती है और उससे जो स्थिति उत्पन्न होगी, उसे रोकने का प्रयास रेल मंत्री जी करें।

अध्यक्ष महोदया : *m02 श्री गोपीनाथ मुंडे तथा

*m03 श्री आनंद प्रकाश परांजपे जी को श्री अनंत गंगाराम गीते द्वारा उठाये गये मामले से सम्बद्ध किया जाता है।